

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

01906

पी.जी.डी.टी. - 2 : अनुवाद का भाषिक और  
सामाजिक पक्ष

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

भाग - I

नोट : निम्नलिखित में से *किन्हीं तीन* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के *अंक समान* हैं।

1. भाषा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार्यों पर प्रकाश डालिए। 20
2. शब्द रचना के उपादानों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 20
3. अनुवाद के संदर्भ-में पारिभाषिक शब्दावली के महत्व एवं उपयोगिता की चर्चा करते हुए शब्दावली-निर्माण की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए। 20
4. बहुभाषिक समाज का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसमें अनुवाद के विविध क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। 20

5. दूर शिक्षा में अनुवाद की आवश्यकता किन-किन कार्यों के लिए पड़ती है? सोदाहरण विवेचन कीजिए। 20
6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 10+10=20
- (क) शिक्षा माध्यम और अनुवाद का महत्व
  - (ख) प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की आवश्यकता
  - (ग) रोजगार के क्षेत्र में अनुवाद
  - (घ) जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में अनुवाद

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

20

Most of the people, around 70 percent, lived in villages. Their ways of living characterised the Indian economy. The Indian economy was almost entirely rural. The villages, however, were mostly self-sufficient units, isolated from the outside. All the material needs for the village people were satisfied locally. Only a few goods like salt and some luxury goods such as ornaments were brought from outside. Further, all the artisans lived in villages and took care of the necessities of the population other than food. The lack of adequate communications too kept the villages away from outside contact. A very important feature of rural life was the fact that the majority of artisans were servants of the village. The artisans possessed lands which were given to them by the village, free or at a reduced rent. The artisans performed various services for which they were given a share of the produce of land cultivated by other villagers. This self-sufficiency gave the village strength to resist any external attack. Another predominant aspect of village life was the extremely simple division of labour. Each one did all the jobs connected with the production of a commodity.

8. अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

10

शिक्षा का संबंध व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास से होता है। यह विकास उसके अपने लिए तो उपयोगी होता ही है समाज के लिए भी उपयोगी होता है। शिक्षा पाने का माध्यम भाषा होती है अतः

व्यक्ति को सर्वप्रथम भाषा की शिक्षा दी जाती है और भाषा-व्यवहार क्षमता विकसित हो जाने पर उस भाषा के माध्यम से विभिन्न विषयों की शिक्षा दी जाती है। जाहिर है कि विभिन्न विषय उसी भाषा में पढ़ाए जाते हैं/ पढ़ाए जाने चाहिए जो भाषा छात्र को आती हो। इस दृष्टि से छात्र को एक से अधिक भाषाएँ भी सिखाई जाती हैं, साथ ही पाठ्य सामग्री को भी उस भाषा में उपलब्ध कराया जाता है जिस भाषा के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। इन दोनों ही कार्यों के लिए अनुवाद की जरूरत पड़ती है। यदि किसी भाषा को शिक्षा की भाषा के रूप में विकसित करना है तो उसमें विभिन्न विषयों की शैक्षिक सामग्री अनूदित होनी चाहिए। इस बात को हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं। जब अंग्रेज भारत में आए तो उनके दो उद्देश्य थे — ईस्ट इंडिया कंपनी का उद्देश्य व्यापार करना था और मिशनरियों का उद्देश्य ईसाई धर्म का प्रचार करना। चूँकि यह धर्म प्रचार भारत के लोगों में करना था अतः उन्हें धर्म संबंधी बातें उन्हीं की भाषा में बताना जरूरी था। इसके लिए उन्होंने बाइबिल के विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद तैयार कराए। प्रेस खोले और इन अनुवादों को प्रकाशित कराया।

**MASTER OF ARTS  
(PUBLIC ADMINISTRATION)**

**Term-End Examination  
December, 2007**

**MPA-011 : STATE, SOCIETY AND PUBLIC  
ADMINISTRATION**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** Answer *any five* questions out of the following questions given in Section I and II selecting at least *two* questions out of each section. All questions *carry equal* marks.

---

**SECTION-1**

1. Compare the Marxist and neo-Liberal perspective of the state.
2. Write a note on Environment and citizen's concerns.
3. Explain the concept of Social Equity and its impact on Public Administration studies.
4. Bring out the views of Marx, Weber and Riggs on Society and Administration.
5. Examine the socio-cultural, legal and judicial concept of ethics in Public Administration.